

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का आह्वान

प्रारंभिक परीक्षा के लिये:

L69 और C-10 देश, [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद](#), [G4 देश](#), [संयुक्त राष्ट्र महासभा](#), सुरक्षा परिषद में भारत की भागीदारी।

मुख्य परीक्षा के लिये:

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सुधार प्रक्रिया, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का महत्त्व।

[स्रोत: द हिंदू](#)

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2025 में [संयुक्त राष्ट्र \(UN\)](#) की 80वीं वर्षगांठ आने के आलोक में [G4 देशों](#) (भारत, ब्राज़ील, जर्मनी और जापान) ने [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद \(UNSC\)](#) में तत्काल सुधार की अपनी मांग को दोहराया है।

- इसका समर्थन अन्य बहुपक्षीय समूहों जैसे **L69** और **C-10** द्वारा भी किया गया है।
- इसके अलावा भारत ने **79वें UNGA** शिखर सम्मेलन को संबोधित करने तथा वैश्विक विकास एवं सुधारों पर अपना दृष्टिकोण रखने के साथ इस संदर्भ में सफ़ारिशें कीं।

G4, L69 और C-10 समूह क्या हैं?

- **L69 समूह:**
 - L69 समूह में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरीबियाई तथा प्रशांत क्षेत्र के 42 विकासशील देश हैं, जिनमें भारत भी शामिल है।
 - यह वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने तथा जवाबदेही और प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के क्रम में [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी एवं अस्थायी सदस्यता के विस्तार पर केंद्रित है](#)।
 - यह समूह प्रत्येक 15 वर्ष में स्थायी सदस्यता संरचना की समीक्षा पर बल देता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इससे उभरती वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित किया जा सके।
 - इस समूह का नाम वर्ष 2007-08 में प्रस्तुत **'L69'** मसौदा दस्तावेज के नाम पर रखा गया, जिससे अंतर-सरकारी वार्ता (IGN) प्रक्रिया की शुरुआत हुई थी।
- **C-10 समूह:**
 - **अफ्रीकी संघ के दस (C-10)** राष्ट्र अध्यक्षों और शासनाध्यक्षों की समिति में 10 अफ्रीकी देश शामिल हैं।
 - इसका उद्देश्य **अफ्रीका के प्रतिनिधित्व** की वकालत करके तथा अफ्रीका की स्थिति को उन्नत बनाते हुए [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करना है](#), जो [एजुलवनी सर्वसम्मति](#) और [सरिते घोषणा](#) पर आधारित है।
 - वर्ष 2005 में अफ्रीकी संघ द्वारा स्वीकृत एजुलवनी सर्वसम्मति का उद्देश्य अफ्रीका को वीटो शक्ति के साथ 2 स्थायी सीटें और 5 गैर-स्थायी सीटें प्रदान करके संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करना है जिसका उद्देश्य [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बेहतर प्रतिनिधित्व के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को सुनिश्चित करना है](#)।
 - [सरिते घोषणा \(1999\)](#) का आशय अफ्रीकी संघ की स्थापना और अफ्रीकी महाद्वीप में शांति तथा सुरक्षा संबंधी मुद्दों के संदर्भ में अपनाया गया संकल्प है।
- **G4 समूह:**
 - **G4 समूह में ब्राज़ील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने के इच्छुक हैं।**
 - इसकी स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी और यह [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है](#)।
 - G4 देश [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिये एक-दूसरे के प्रयासों का समर्थन करते हैं](#) तथा आमतौर पर वार्षिक रूप से होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के उच्च स्तरीय सम्मेलन के दौरान बैठकें करते हैं।

अंतर-सरकारी वार्ता (IGN)

- IGN का आशय राष्ट्र-राज्यों के एक ऐसे समूह से है जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधारों के क्रम में संयुक्त राष्ट्र के तहत (अनौपचारिक रूप से) कार्यरत है।
- IGN कई विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों से मलिकर बना है।
 - अफ्रीकी संघ
 - G4 राष्ट्र
 - यूनाइटेड फॉर कंसंसस ग्रुप (UfC)
 - L69 विकासशील देशों का समूह
 - अरब लीग
 - कैरेबियन समुदाय (CARICOM)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UN Security Council-UNSC)

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार, अंतराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने का उत्तरदायित्व UNSC में

परिचय

- संयुक्त राष्ट्र के 6 प्रमुख अंगों में से एक; संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा 1945 में स्थापित

मुख्यालय

- न्यूयॉर्क सिटी

पहला सत्र

- 17 जनवरी, 1946 को चर्च हाउस, वेस्टमिंस्टर, लंदन में

सदस्यता

- 15 सदस्य- 5 स्थायी सदस्य (P5), 10 गैर-स्थायी सदस्य दो साल के कार्यकाल के लिये चुने गए (प्रत्येक वर्ष 5 का चुनाव किया जाता है)
- P5- अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन

UNSC की अध्यक्षता

- 15 सदस्यों के बीच प्रत्येक माह बारी-बारी से
- वर्ष 2022 के लिये भारत की अध्यक्षता-दिसंबर

मतदान शक्तियाँ

- 1 सदस्य = 1 मत/वोट
- P5 देशों को वीटो शक्ति प्राप्त है वीटो पावर है
- UN के ऐसे सदस्य जो UNSC के सदस्य नहीं हैं, मतदान के अधिकार के बिना इसके सत्र में भाग लेते हैं

UNSC समितियाँ प्रस्ताव

- आतंकवाद:
 - संकल्प 1373 (आतंकवाद रोधी समिति)
 - संकल्प 1267 (दाएश और अल कायदा समिति)
- अप्रसार समिति:
 - संकल्प 1540 (परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों के विरुद्ध)

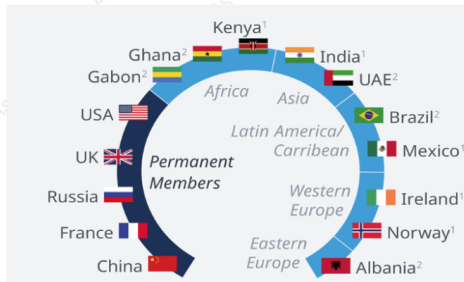
भारत और UNSC

- गैर-स्थायी सदस्य के रूप में 7 बार सेवा; 2021-22 में 8वाँ बार चुना गया; स्थायी सीट की मांग
- स्थायी सीट के लिये तर्क:
 - 43 शांति मिशन
 - मानवाधिकार घोषणा (UDHR) को तैयार करने में सक्रिय भागीदारी
 - भारत की जनसंख्या, क्षेत्रीय आकार, सकल घरेलू उत्पाद, आर्थिक क्षमता, सांस्कृतिक विविधता, राजनीतिक प्रणाली आदि।

G4- चार देशों (ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान) का समूह जो UNSC में स्थायी सीटों के लिये एक-दूसरे की दावेदारी का समर्थन कर रहे हैं

United Nations Security Council

Composition through 2022



“मतैक्य के लिये मिलकर काम करना” आंदोलन (Uniting for Consensus-UfC Movement)

- अनौपचारिक रूप से इसे कॉफी क्लब के रूप में जाना जाता है
- देश UNSC स्थायी सीटों के विस्तार का विरोध करते हैं
- समूह के प्रमुख देश-इटली, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना और पाकिस्तान
- इटली और स्पेन जर्मनी की दावेदारी का; पाकिस्तान- भारत की दावेदारी का; अर्जेंटीना-ब्राजील की दावेदारी का और ऑस्ट्रेलिया-जापान की दावेदारी का विरोध कर रहे हैं

UNSC के समक्ष बड़ी चुनौतियाँ

- संयुक्त राष्ट्र के सामान्य नियम UNSC विचार-विमर्श पर लागू नहीं होते हैं; बैठकों का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा गया है
- UNSC में पावरले; P5 की अराजकतावादी वीटो शक्तियाँ
- P5 के बीच गहन धुँवीकरण; लगातार मतभेद प्रमुख निर्णयों को अवरुद्ध करता है
- विश्व के कई क्षेत्रों का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व



संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिये अनुच्छेद 108 में उल्लिखित 2 चरणीय प्रक्रिया का पालन करते हुए संयुक्त राष्ट्र चार्टर में संशोधन करना आवश्यक होता है।
- पहला चरण: महासभा को दो तर्हों पर बहुमत से या 193 सदस्य देशों में से कम से कम 128 द्वारा सुधार को मंजूरी देनी होगी। अनुच्छेद 27 के अनुसार, इस चरण में वीटो की अनुमति नहीं है।
- दूसरा चरण: प्रथम चरण के अनुमोदन के बाद संयुक्त राष्ट्र चार्टर को एक अंतरराष्ट्रीय संधिमाना जाता है और उसमें संशोधन किया जाता है।
 - संशोधित चार्टर को सभी P5 सदस्यों सहित कम से कम दो-तर्हों सदस्य देशों द्वारा उनकी राष्ट्रीय प्रक्रियाओं के अनुरूप अनुमोदित

किया जाना आवश्यक होता है।

- इस चरण के दौरान अनुसमर्थन P5 सदस्यों की संसदों द्वारा प्रभावित हो सकता है, जिसका प्रभाव संशोधित चार्टर के प्रभावी होने पर पड़ सकता है।

79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में वदेशि मंत्रि के भाषण के मुख्य पहलू क्या हैं?

- बहुपक्षवाद में सुधार: भारत ने 79वें UNGA के वषिय "कसिी को भी पीछे न छोडना" का समर्थन करने के साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रणालियों में सुधार का आह्वान किया तथा वैश्विक शांति एवं समृद्धि सुनिश्चित करने के क्रम में न्यायसंगत योगदान और विश्वास बहाल करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।
- भारत की पहल: भारत ने अपनी पहलों को साझा किया जैसे
 - लक्षित नीतियों के माध्यम से सुभेद्य समूहों (महिलाएँ, कसिान, युवा) पर ध्यान केंद्रित करना।
 - रोजगार और उद्यमता के अवसरों का वसितार करना
 - अनुकरणीय शासन मॉडल एवं डिजिटल बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना।
 - साझा चिंताओं पर प्रकाश डालने के लिये ग्लोबल साउथ शखिर सम्मेलन का आयोजन करना।
- एकता का आह्वान: भारत ने सदस्य देशों से एकजुट होने, संसाधनों को साझा करने तथा विश्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने के क्रम में अपने संकल्प को मज़बूत करने का आह्वान किया।
- आतंकवाद की नदि: भारत ने कट्टरपंथ एवं आतंकवाद से पाकसितान के संबंधों की नदि करने के साथ इस बात पर बल दिया कि इस संबंध में मुख्य मुद्दा पाकसितान द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कब्जा और आतंकवाद को दिया जाने वाला उसका दीर्घकालिक समर्थन है।
 - भारत ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादियों पर राजनीतिक हस्तक्षेप के बनिा प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा ऐसी कार्रवाइयों को रोकने में चीन की भूमिका की ओर संकेत किया।
- आर्थिक व्यवहार और संप्रभुता: भारत ने अनुचित आर्थिक व्यवहार तथा बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं (वशिष रूप से चीन-पाकसितान आर्थिक गलियारे) की आलोचना करते हुए कहा कि संप्रभुता को कमज़ोर करने वाली कनेक्टिविटी के प्रति सावधानी बरती जानी चाहिये।
- वैश्विक समाधान का आह्वान: भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे भाग्यवादी मानसिकता से परे रूस-यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष जैसे चल रहे संघर्षों का तत्काल समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित करें।

और पढ़ें: [भविष्य का संयुक्त राष्ट्र शखिर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं में सुधार](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 5 स्थायी सदस्य होते हैं और शेष 10 सदस्य महासभा द्वारा कतिनी अवधि के लिये चुने जाते हैं? (2009)

- (a) 1 वर्ष
- (b) 2 वर्ष
- (c) 3 वर्ष
- (d) 5 वर्ष

उत्तर: (b)

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक और वित्तीय सम्मेलन, जसिमें IBRD, GATT और IMF की स्थापना के लिये समझौते किये गए थे, को कसि रूप में जाना जाता है? (2008)

- (a) बांडुंग सम्मेलन
- (b) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन
- (c) वरसाय सम्मेलन
- (d) याल्टा सम्मेलन

उत्तर: (b)

प्रश्न. अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक एवं वित्तीय समिति (International Monetary and Financial Committee- IMFC) के संदर्भ में नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजिये: (2016)

1. IMFC विश्व अर्थव्यवस्था से सरोकार रखने वाले वषियों पर चर्चा करता है और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) को उसके कार्य की दिशा पर सलाह देता है।

2. IMFC की बैठकों में वशिव बैंक प्रेक्षक की भाँत भाग लेता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

प्रश्न. "स्वर्ण द्रांश" (रज़िर्व द्रांश) नरिदषिट करता है: (2020)

- (a) वशिव बैंक की ःरण वयवस्था
- (b) केंद्रीय बैंक की कसिी एक करयिा को
- (c) WTO द्वारा इसके सदस्योँ को प्रदत्त एक साख प्रणाली को
- (d) IMF द्वारा इसके सदस्योँ को प्रदत्त एक साख प्रणाली को

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता लेने हेतु भारत के समक्ष आने वाली बाधाओं पर चर्चा कीजिये। (2015)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/call-for-reforming-un-security-council>

